an>

Title: Regarding alleged phone tapping by Pakistan's I.S.I.

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज):** उपाध्यक्ष महोदय, यह सौभाग्य है कि यह विषय रक्षा मंत्रालय से संबंधित है और माननीय रक्षा मंत्री जी सदन में मौजूद हैं।

फरवरी, 2014 में हुई एक गंभीर घटना की ओर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। जिस समय हमारी सेनाएं जम्मू-कश्मीर एवं राजस्थान में डिप्लॉय की गई, उसकी जानकारी तत्कालीन सेना अध्यक्ष विक्रम सिंह ने तत्कालीन रक्षा मंत्री को दी। उस समय रक्षा मंत्रालय में बगिंग हुई, फोन टैपिंग हुई और वह जानकारी आई.एस.आई. के माध्यम से पाकिस्तान को हासिल हो गई। उसके बाद सेना के उच्च अधिकारियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई कि निश्चित तौर से भविष्य में वे इस तरह की जानकारियां फोन पर एक-दूसरे से एक्सचेंज न करें। वह उस समय अपने आप में एक गंभीर घटना थी। अगर हमारी सेनाएं राजस्थान एवं जम्मू-कश्मीर में डिप्लॉय हो रही हों और उसकी जानकारी सीमा पार पाकिस्तान के लोगों को हो जाए तो यह ठीक नहीं है। एक तरफ हम दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं, आज भी हम विदेश सचिव से वार्ता करने जा रहे हैं। मैं चाहूंगा कि उस एडवाइजरी के बाद इस तरह की कार्रवाई हो कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो कि हमारी गोपनीय सूचनाएं और रक्षा से जुड़ी हुई उच्चस्तरीय मामलों की जानकारी पाकिस्तान को मिल जाए और कोई खुफिया एजेंसी द्वारा इस तरह से हमारी टैपिंग या बगिंग हो। उस समय यह जो घटना हुई, उसकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए एडवाइजरी जारी होने के बाद सख्त से सख्त कार्रवाई भारत सरकार करे।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri P.P. Chaudhary, Shrimati Anju Bala, Shrimati Krishna Raj, Shri Devji M. Patel, Shri Gajendra Singh Shekhawat and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika Pal.